Regarding need to establish a sports academy in Khandwa Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh- laid

श्री ज्ञानेश्वर पाटील **(**खण्डवा**) :** जनजाति समाज का एक प्राचीन खेल तीरंदाजी और गोपन (गुलेल) सिर्फ एक खेल नहीं है**,** बल्कि यह कई संस्कृतियों और समाजों**,** खासकर जनजातियों के लिए एक जीवन शैली का हिस्सा रहा है साथ ही कई जनजातियों की सांस्कृतिक पहचान का एक अभिन्न अंग है । यह खेल न केवल शिकार कौशल को विकसित करने में मदद करता है**,** बल्कि यह समुदाय के लोगों को एक साथ लाने और प्रतियोगिता की भावना को बढ़ावा देने में भी मदद करता है । यही कारण है कि इस समाज में प्रतिभाएं होने के बाद भी वे आगे नहीं बढ़ पाते और ना ही उन्हें उचित मंच मिल पाता है । भील**,** भिलाला**,** कोरको**,** गोंड जनजाति में भी अच्छे तीरंदाज मौजूद हैं**,** लेकिन शिक्षा के अभाव में अभिभावक इस बारे में नहीं सोचते हैं**,** जिससे यहां की प्रतिभाओं को नुकसान हो रहा है । ऊंचे स्थानों पर प्रशिक्षण लेने से खिलाडिय़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है और जब वे निचले स्थानों पर जाते हैं**,** तो दुगुना-तिगुना बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं । मैं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि मेरे संसदीय क्षेत्र खंडवा (मध्य प्रदेश) में एक नए खेल अकादमी का निर्माण किया जाय जिससे मेरे क्षेत्र के जनजाति समुदाय के युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल सकेगा ।